दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, रविवार 14 नवंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-04, अंक- 47

घात लगाकर चरमपंथी हमले में असम राइफल्स के कर्नल समेत 5 जवान शहीद

» कर्नल की पत्नि व बच्चे की भी हुई मौत

इंफाल (आरएनएस)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में आज नक्सलियों ने सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया, जिसमें असम राइफल्स यूनिट के कर्नल सहित पांच जवान शहीद हो गए। इस हमले में कमांडिंग ऑफिसर कर्नल विप्लव त्रिपाठी के परिवार के दो सदस्यों की भी मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना सेहकेन गांव के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब भारी हथियारों से लैस संदिग्ध पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के नक्सलियों ने असम राइफल्स के कर्नल विप्लव त्रिपाठी के काफिले पर गोलीबारी की, जिसमें वह शहीद हो गए। हमले में उनकी उनकी पत्नी और उनके 9 वर्षीय पुत्र की भी मौत हो गई। घटना के बाद तीन क्विक रिएक्शन टीम

(क्यूआरटी) के जवान मौके पर पहुंचे।

हालांकि अभी तक किसी भी चरमपंथी या नक्सली संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन पुलिस और खुफिया अधिकारियों को इस जघन्य कृत्य के पीछे पीएलए कैडरों का हाथ होने का संदेह व्यक्त कर रहे है। सेना, असम राइफल्स और पुलिस बलों ने वरिष्ठ पुलिस और अर्धसैनिक अधिकारियों के नेतृत्व में चरमपंथियों को पकड़ने के लिए इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, पश्चिम बंगाल की उनकी समकक्ष ममता बनर्जी, असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल पी. सी. नायर और कई अन्य लोगों ने हमले की कड़ी निंदा की है।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मणिपुर के चुराचंदपुर में असम राइफल्स के काफिले पर कायराना हमला बेहद दर्दनाक और निंदनीय है। देश ने सीओ 46 एआर और उनके परिवार के दो सदस्यों सहित 5 बहादुर सैनिकों को खो दिया है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदना। अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

वरिष्ठ पत्रकार के पुत्र थे कर्नल त्रिपाठी – छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मणिपुर राज्य के चुराचन्दपुर जिले के ग्राम सियालसी के समीप हुए माओवादी हमले की निंदा की है।

इस माओवादी हमले में दैनिक बयार रायगढ़ के सम्पादक एवं वरिष्ठ पत्रकार सुभाष त्रिपाठी के पुत्र कर्नल विप्लव त्रिपाठी, बहू श्रीमती अनुजा त्रिपाठी एवं पांच वर्षीय पौत्र अबीर त्रिपाठी शहीद हो गए। यह घटना आज पूर्वान्ह 11.30 बजे उस वक्त घटित हुई, जब कर्नल विप्लव त्रिपाठी, बिहांग काय-पोस्ट का विजिट कर वापस लौट रहे थे। सियालसी गांव के पास एम्बुस लगाए माओवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें कर्नल त्रिपाठी और उनके परिवार के लोग शहीद हो गए। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने माओवादी हमले को कायराना कृत्य करार देते हुए इसकी कड़े शब्दों में भर्त्सना की है। उन्होंने कर्नल विप्लव त्रिपाठी की शहादत को नमन करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

हिमाचल के वैज्ञानिक को मिला जमनालाल बजाज पुरस्कार

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश के एक वैज्ञानिक को ग्रामीण विकास के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग (एप्लिकेशन) के लिए प्रतिष्ठित जमनालाल बजाज पुरस्कार - 2021 से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार प्राप्त करने वाले लाल सिंह, राज्य की राजधानी में स्थित एक गैर-सरकारी संगठन, हिमालयन रिसर्च ग्रुप (एचआरजी) के निदेशक हैं।

यह पुरस्कार ग्रामीण और आदिवासी विकास के लिए विशेष रूप से समाज के कमजोर वर्गों के लाभ के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिवर्ष दिया जाता है।

मंडी जिले के सुदूर डांगहियारा गांव के रहने वाले लाल सिंह का एनजीओ पर्वतीय समुदायों के लिए काम करता है।

एनजीओ 2005 से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के इंटिटी, अधिकारिता और विकास (सीड) विभाग के लिए एक नामित कोर समूह है।

एनजीओ द्वारा की गई प्रमुख पहलों में पहाड़ी घरों में सौर जल तापन और कमरे को गर्म करने की तकनीक, औषधीय पौधों की खेती, मशरूम की खेती और जो, लाल चावल और राजमा जैसी देशी फसलों का पुनरुद्धार शामिल है। पिछले 24 वर्षों के दौरान, एचआरजी ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा वित्त पोषित 40 से अधिक परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।

एचआरजी द्वारा किए गए अभिनव और आवश्यकता-आधारित हस्तक्षेपों ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्थानीय समुदाय को आजीविका के नए रास्ते बनाने, बेहतर वित्तीय आय और जीवन स्तर में सुधार करने में मदद की है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने लाल सिंह को प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्ति के लिए यह एक दुर्लभ उपलब्धि है।

महत्वपूर्ण एवं खास

श्रीनगर में 0.1 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडी रात दर्ज की गई

श्रीनगर (आरएनएस)। मौसम विभाग ने कहा कि श्रीनगर में मौसम की अब तक की सबसे ठंडी रात 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज की गई। लद्दाख के द्रास शहर का तापमान शून्य से 12.7 डिग्री नीचे था। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 0.7 डिग्री था, लेकिन आज यह 0.1 डिग्री सेल्सियस हो गया। पहलगाम में तापमान शून्य से 3.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जबकि गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.2 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। लद्दाख में द्रास सबसे ठंडा रहने के अलावा, लेह में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.6 डिग्री नीचे और कारगिल में शून्य से 6.4 डिग्री नीचे दर्ज किया गया। अधिकारी के अनुसार, जम्मू शहर में आज सबसे कम तापमान 12.2 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 11.2 डिग्री, बटोटे में 6.0 डिग्री, बनिहाल में 2.0 डिग्री और भद्रवाह में 2.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि 19 नवंबर तक मौसम शुष्क रहने की संभावना है और इस दौरान रात के तापमान में और गिरावट आने की संभावना है।

पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान को मिले 2 पुरस्कार

जयपुर (आरएनएस)। अपनी कला संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिए विशेष पहचान रखने वाले राजस्थान को दो ओर पुरस्कारों से नवाजा गया है। टूरिज्म अवार्ड्स-2021 समारोह में कोटा के गरडिया महादेव पर्यटन स्थल को बेस्ट आइकॉनिक लैंडस्केप डेस्टिनेशन चुना गया है, वहीं, जैसलमेर के डेजर्ट फेस्टिवल को बेस्ट फेस्टिवल डेस्टिनेशन का रनर अप अवार्ड मिला है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने ये पुरस्कार सौंपे। राजस्थान पर्यटन विभाग की तरफ से निदेशक निशान्त जैन ने पुरस्कार ग्रहण किया। समारोह में पर्यटन सचिव अरविंद सिंह तथा विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

आंध्रप्रदेश में कई घरों में धधकी आग, देखते ही देखते आशियाने स्वाहा

नई दिल्ली (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के विजयनगर के मेंटाडा मंडल के जक्कुवा गांव में अज्ञात कारणों से आग लग गई। विकराल आग की चपेट में आकर कई घर स्वाहा हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आग पर काबू पा लिया गया है। घटना में किसी जान का नुकसान नहीं हुआ है। सभी लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बीत रात 10 बजे विजय नगर के मेंटाडा मंडल स्थित जक्कुवा गांव में एक घर में लगी आग देखते ही देखते कई घरों को अपनी चपेट में ले गई। इससे पहले लोग कुछ समझ पाते आग ने विकराल रूप ले लिया। कई लोगों ने घरों से बाहर भागकर अपनी जान बचाई और अपनी आंखों के सामने सपनों के आशियाने को स्वाहा होते हुए देखा। विजयनगर के डीसी सूर्य कुमारी ने कहा, आग पर काबू पा लिया गया है। आग में अपने घरों को खोने वालों को स्थानीय स्कूल में ठहराया गया है। फिलहाल आग के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड ने अब तक का उच्चतम छमाही कर-उपरान्त लाभ किया दर्ज

नई दिल्ली (आरएनएस)। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अधीन भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था ने आज पहली छमाही तथा वित्त वर्ष 2021-22 के महेनजर 30 सितंबर, 2021 को समाप्त हुई दूसरी तिमाही के अपने लेखा-परीक्षित वित्तीय परिणामों की घोषणा की। कंपनी ने परिचालन से होने वाली कुल आय 684.80 करोड़ रुपये दर्ज की। इसके अलावा वित्त वर्ष 2022 के दूसरी तिमाही में 110.27 करोड़ रुपये का कर-उपरान्त लाभ अर्जित किया। कंपनी ने अब तक का 299.90 करोड़ रुपये का उच्चतम छमाही कर-उपरान्त लाभ दर्ज किया है। इरेडा के निदेशक-मंडल ने 30 सितंबर, 2021 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2021-22 की पहली और दूसरी तिमाही के लेखा-परीक्षित वित्तीय परिणामों एकत्र को बैठक में मंजूर किया। यह बैठक आज बुलाई गई थी। बैठक में कंपनी के प्रदर्शन और वृद्धि की सराहना की गई।

भारत में कोविड-19 टीकाकरण का कुल कवरेज 111.40 करोड़ के पार

नई दिल्ली (आरएनएस)। 24 घंटों के दौरान टीके की 58,42,530 खुराकें लगाने के साथ आज सात बजे सुबह तक की अस्थायी रिपोर्ट के अनुसार देश का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज 111.40 करोड़ (1,11,40,48,134) के पार पहुंच गया। इसे 1,14,01,023 सत्रों के जरिये पूरा किया गया। पिछले 24 घंटों में 12,403 मरीजों के स्वस्थ होने से स्वस्थ होने वाले मरीजों की कुल संख्या में बढ़ोतरी दर्ज की गई है (महामारी के शुरू होने से लेकर अब तक), जो इस समय 3,38,26,483 है। परिणामस्वरूप भारत की रिकवरी दर इस समय 98.26 प्रतिशत है।लगातार 139 दिनों से 50 हजार से कम दैनिक मामले आ रहे हैं। यह केंद्र और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के मिले-जुले और सतत प्रयासों का नतीजा है। पिछले 24 घंटों में कुल 11,850 दैनिक नये मामले दर्ज किये गये। इस समय सक्रिय मामले 1,36,308 है, जो 274 दिनों में न्यूनतम है। सक्रिय मामले इस समय देश के कुल पॉजिटिव मामलों का 0.40 प्रतिशत है, जो मार्च 2020 से अपने न्यूनतम स्तर पर है। देश में जांच क्षमता को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जिसके सिलसिले में देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कुल 12,66,589 जांचें की गईं। समग्र रूप से भारत में अब तक 62.23 करोड़ से अधिक (62,23,33,939) जांचें की गई हैं। एक तरफ देशभर में जांच क्षमता बढ़ाई गई, तो दूसरी तरफ साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर इस समय 1.05 प्रतिशत है, जो पिछले 50 दिनों में दो प्रतिशत से नीचे कायम है।

पराली के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट जज की टिप्पणी

» वह भी एक किसान है, गरीब व सीमांत किसान नहीं खरीद सकते मशीन

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि वह एक किसान है और चीफ जस्टिस एनवी रमना भी एक किसान परिवार से आते हैं और वे जानते हैं कि गरीब-सीमांत किसान पराली प्रबंधन के लिए मशीन नहीं खरीद सकते हैं। जस्टिस कांत ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि आप कह रहे हैं कि 2 लाख मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन गरीब किसान

यह नहीं खरीद सकते। कृषि कानूनों के बाद यूपी, पंजाब और हरियाणा में जोत 3 एकड़ से भी कम है। हम उन किसानों से उन मशीनों को खरीदने की उम्मीद नहीं कर सकते हैं।

जस्टिस कांत ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें मशीनें क्यों नहीं उपलब्ध करा सकती है? पेपर मिल्स और अन्य उद्देश्यों के लिए इन्हें लिया जाए। राजस्थान में सर्दियों में पराली बकरियों आदि के लिए चारा हो सकती हैं। सर्वोच्च अदालत में पर्यावरण कार्यकर्ता आदित्य दुबे और लॉ स्टूडेंट अमन बांका की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई चल रही थी, जिसमें उन्होंने छोटे किसानों के लिए मुफ्त में पराली हटाने वाली मशीनें उपलब्ध कराने के लिए निर्देश की मांग की थी। केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ये मशीन 80 फीसदी सब्सिडी रेट पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट के जज ने मेहता से पूछा कि क्या उनकी सहायता करने वाले अधिकारी सब्सिडी के बाद वास्तविक कीमत बता सकते हैं। चीफ जस्टिस एनवी रमना और जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ के साथ बैठे जस्टिस कांत ने कहा कि क्या किसान इसका वहन कर सकते हैं। मैं एक किसान हूं और मैं जानता हूं, सीजेआई भी एक किसान परिवार से हैं और वह भी जानते हैं और मेरे भाई (जज) भी इसे जानते हैं। जस्टिस कांत ने यह भी कहा कि वायु प्रदूषण के लिए किसानों को दोष देना फैशन बन गया है।

दिव्यांगजनों को हमारी सहानुभूति की नहीं, संवेदना की आवश्यकता होती है: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम वैंकेया नायडू ने आज एक समावेशी समाज के निर्माण पर जोर दिया, जो दिव्यांगजनों की आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील हो। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को हमारी सहानुभूति की नहीं, संवेदना की आवश्यकता होती है।

आज आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में 'दिव्यांगजनों के कौशल विकास एवं पुनर्वास के लिए अंगभूत क्षेत्रीय केंद्र (सीआरसी)' के कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं के साथ परस्पर बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनके लिए अनुकूल और सक्षमकारी वातावरण सृजित किया जाए तो दिव्यांगजन किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

हाल में आयोजित टोक्यो पैरा ओलंपिक खेलों में भारत के उत्कृष्ट

प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों द्वारा प्रदर्शित संकल्प और कड़ी मेहनत ने लाखों भारतीयों को प्रेरित किया है। उन्होंने सिद्ध कर दिया है कि दृढ़ता और इच्छाशक्ति के माध्यम से किसी भी प्रकार की विकलांगता दूर की जा सकती है।

उपराष्ट्रपति ने बाधामुक्त यात्रा के लिए एक विकलांगता अनुकूल सार्वजनिक अवसंरचना के निर्माण की अपील की। कौशल प्रशिक्षण के जरिए दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के लिए सीआरसी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र से सामने आने और दिव्यांगजनों को सक्रियतापूर्वक रोजगार उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने दिव्यांग लाभार्थियों को उपकरणों तथा अप्लायंसेज का भी वितरण किया।

नेल्लोर स्थित सीआरसी सिकंदराबाद के राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करता है तथा वर्तमान में डाटा एंट्री ऑपरेशन, सिलाई मशीन ऑपरेशन, कार्यालय सहायक प्रशिक्षण और एलईडी बोर्ड निर्माण जैसे विभिन्न व्यावसायिक विषयों में दिव्यांगजनों को कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है।

सिकंदराबाद के राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) के अधिकारी, नेल्लोर स्थित सीआरसी के कर्मचारी और प्रशिक्षु इस अवसर पर उपस्थित थे।

बाद में, उपराष्ट्रपति ने नेल्लोर स्थित स्वर्ण भारत ट्रस्ट के कौशल्या सदन-ग्रामीण स्व-सशक्तीकरण प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया। व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन करते हुए नायडू ने जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाना हमारे राष्ट्र की विकास गाथा के लिए महत्वपूर्ण है। कौशल्या सदन का फोकस समाज के वंचित वर्ग के लोगों को व्यावसायिक कौशल प्रदान करना है। इस अवसर पर नायडू ने ट्रस्ट के जनजातीय बच्चों के साथ भी बातचीत की, जो आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम के निकट इरागोंडापलम गांव से आए थे।

महाराष्ट्र में पुलिस को बड़ी सफलता 26 नक्सली ढेर, 4 जवान घायल

गढ़चिरौली (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ बॉर्डर से सटे गढ़चिरौली में 26 नक्सलियों को मार गिराया है. महाराष्ट्र पुलिस के सी-60 दस्ते ने इस बड़े काम ऑपरेशन को अंजाम दिया है. गढ़चिरौली जिले में सुबह 7 बजे से ही ऑपरेशन जारी था. इस ऑपरेशन में 4 पुलिसकर्मी भी जख्मी हुए हैं. उन्हें इलाज के लिए हेलीकॉप्टर से नागपुर भेजा गया है. गढ़चिरोली के एसपी अंकित गोयल ने यह जानकारी दी है.

इस मुठभेड़ में पुलिस ने नक्सलियों के कई शिविर ध्वस्त कर दिए हैं. गढ़चिरोली जिले के कोरची तालुके के ग्यारहबत्ती, कोटगुल इलाके के जंगल में नक्सलियों द्वारा शिविर लगाए जाने की जानकारी पुलिस को मिली थी. इसके बाद पुलिस की सी-60 नाम की टीम ने नक्सलियों के खिलाफ अभियान तेज करने का फैसला किया. इसके बाद यह टीम तलाशी अभियान के लिए निकल पड़ी. पुलिस टीम जैसे ही ठिकानों के पास पहुंची तो नक्सलियों को इसकी भनक लग गई. नक्सलियों ने पुलिस की ओर गोलीबारी शुरू कर दी. जिसके बाद पुलिस ने भी जवाबी हमला करते हुए गोलीबारी शुरू की. कई घंटों तक चले इस बेहद अहम ऑपरेशन में 26 नक्सली मारे गए. इस मुठभेड़ में माओवादियों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है.

वायु प्रदूषण के हालातों को संभाले केंद्र सरकार : सुप्रीम कोर्ट

» दिल्ली में वायु प्रदूषण पर केजरीवाल की आपात बैठक शुरु

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली और देश के प्रमुख शहरों में बढ़ते वायु प्रदूषण के हालातों से निपटने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को चेताया है और कहा कि वह इन हालातों को सुधारने पर काम करें। यह बात सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में वायु प्रदूषण से बिगड़ते हालात को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका को लेकर कही है।

सुप्रीम कोर्ट में शनिवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि आपको इस मुद्दे को राजनीति और सरकार से परे देखना होगा। कुछ ऐसा होना चाहिए जिससे दो-तीन दिन में हम बेहतर महसूस करें। कोर्ट ने याचिका पर आगे की सुनवाई के लिए 15 नवंबर की तारीख तय करते हुए केंद्र से वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में कोर्ट को सूचित करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में है और अगले 2 से 3 दिनों में यह और नीचे चली जाएगी, इसलिए, जल्द आपातकालीन निर्णय लें, हम दीर्घकालिक समाधान बाद में देखेंगे। इस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि पराली समस्या का हिस्सा हो सकती है,

लेकिन एकमात्र कारण नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार से भी पूछा कि स्मॉग टावर और उत्सर्जन नियंत्रण प्रोजेक्ट्स को स्थापित करने के उसके फैसले का क्या हुआ? कोर्ट ने कहा कि अब किसानों को कोसना एक फैशन बन गया है चाहे वह दिल्ली सरकार हो या कोई और। पटाखों पर बैन था, उसका क्या हुआ? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार द्वारा स्कूलों को खोलने पर भी चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि आपने राजधानी में सभी स्कूल खोल दिए हैं और अब बच्चे प्रदूषण के संपर्क में हैं। यह केंद्र का नहीं बल्कि आपका अधिकार क्षेत्र है, उस मोर्चे पर क्या हो रहा है?

दिल्ली सरकार की आपात बैठक

राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता शनिवार को भी गंभीर श्रेणी में है और वायु गुणवत्ता सूचकांक 499 पर पहुंच गया है। हालात को देखते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए आज आपात बैठक बुलाई है। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शनिवार को कहा कि पराली के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए आपातकाल निर्णय लिए जाने की जरूरत है। मैं केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से निवेदन कर रहा हूं मुझे लगता है दिल्ली के नागरिक सोशल मीडिया के जरिए केंद्रीय मंत्री से आपातकाल बैठक बुलाकर कोई निर्णय लेने को आग्रह करें। केंद्र सरकार अपनी जिम्मेदारियों से बचे नहीं और चुप्पी न साधे। दिल्ली में हवा बिगड़ने से लोगों का सांस लेना भी मुश्किल होता जा रहा है, इसके चलते बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों की अधिक परेशानियां हो रही हैं और अस्पतालों में मरीजों की तादाद बढ़ने लगी है। प्रदूषण पर चिंता जताते हुए दिल्ली के एलएनजेपी अस्पताल के एमडी डॉ. सुरेश कुमार ने आज कहा कि प्रदूषण का स्तर बड़ी चिंता का विषय है। इससे बुजुर्गों, स्कूल जाने वाले बच्चे, वे मरीज जिन्हें सांस की तकलीफ है या वे मरीज जिन्हें पहले कोविड हो चुका है, उनकी समस्या बढ़ गई है। हमारे वार्ड में ऐसे मरीज आ रहे हैं जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। डॉ. सुरेश ने कहा कि हमारे यहां 10-15 प्रतिशत मरीजों में बढ़ोतरी हुई है। इनमें सांस की तकलीफ के मरीजों की संख्या ज्यादा है। दीपावली के बाद ऐसे बच्चे आ रहे हैं, जिन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है।